छात्र व प्रोफेशनल बने बिग डेटा एनालिटिक्स

जागरण संवाददाता, नोएडा : छात्र, प्रोफेशनल, व्यवसायी, एनजीओ और सरकारी व निजी कर्मी बिग डेटा एनालिटिक्स बनना चाहते हैं तो उन्हें भारत सरकार का सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग मंत्रालय मौका दे रहा है। इससे संबंधित उत्तर भारत का इकलौता राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम कौशल विकास संस्थान (निसबड) नोएडा के सेक्टर-62 में स्थित है। इसमें बिग डेटा एनालिटिक्स का चार दिवसीय कोर्स के प्रशिक्षण का संस्थान मौका देता है। इतना ही नहीं प्रशिक्षण लेने वाले को रोजगार के भी अवसर उपलब्ध कराता है।

निसबड नोएडा छात्र-छात्राएं, प्रोफेशन, व्यवसायी, स्वयं सेवी संस्था और सरकारी व निजी संस्थानों से जुड़े लोगों को रोजगार परक बना रहा है। निसबड इन्हें बिग डेटा एनालिटिक्स का प्रशिक्षण भी दे रहा है। यह प्रशिक्षण चार दिन चलता है। यह खासकर अवकाश के दिनों में चलता हैं। इनमें शनिवार और रविवार के दिनों को चुना जाता है। निसबड प्रशिक्षण देने के लिए बिग डेटा एनालिटिक्स क्षेत्र के एक्सपर्ट को बुलाता है। वह इस कोर्स के टिप्स देते हैं। इसका उद्यम चलाने और इसे आगे बढ़ाने में बिग डेटा का कैसे इस्तेमाल होगा। इनका कलेक्शन कैसे और कहां से होगा, ये तमाम जानकारियां दी जाती है।

निसबड प्रशिक्षण देने के बाद रोजगार के अवसर भी प्रदान करता है। निसबड में प्रोजेक्ट आते रहते हैं। उन प्रोजेक्ट को प्रशिक्षित बेरोजगारों को दे दिया जाता है। अगर प्रशिक्षित बेरोजगार के पास दफ्तर नहीं हैं, जहां से वह काम कर सकता है तो ऐसे बेरोजगारों को निसबड के दफ्तर से ही काम करने का मौका मिलता है।

प्रशिक्षण का मिलेगा प्रमाण पत्र : बिग डेटा एनालिटिक्स के चार दिन के प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र निसबड देगा। यह प्रशिक्षण 17, 18, 24 व 25 जनवरी को होगा।

◆ कौशल विकास उद्यमिता विकसित कर रहा है निसबड नोएडा

उद्यम विकसित करने में बिग डेटा एनालिटिक्स एक्सपर्ट की अहम भूमिका होती है। इसकी जानकारी होने पर उद्यमी खुद भी अपने उद्यम को ऑनलाइन बढ़ावा दे सकता है। इसलिए निसबड इस कौशल विकास को बढ़ावा दे रहा है।

अरुण कुमार झा, निसबड, नोएडा।

◆ छात्र, प्रोफेशनल, व्यवसायी व कर्मी भी बन सकते हैं एनालिटिक्स

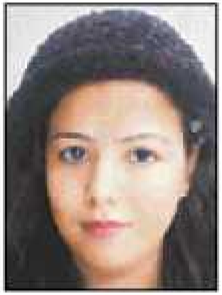

बिग डेटा एनालिटिक्स के प्रशिक्षितों को निसबड से प्रोजेक्ट भी उपलब्ध करा दिए जाते हैं। वह यहां के संस्थानों को इस्तेमाल करके प्रोजेक्ट कर सकते हैं। यह मौका प्रशिक्षित बेरोजगारों मिलता है।

शिखा ओबेराय, वरिष्ठ कंसल्टेंट, बिग डेटा एनालिटिक्स निसबड।